Ecological Imbalance: A challenge for Human Race

A seminar was organized on the topic “Ecological Imbalance: A challenge for Human Race” on 28th Sep. 2016 in the Multipurpose Hall.

Many of the distinguished scholars came and participated in the deliberations as resource persons and delegates. Dr. A.S. Ahluwalia, Head Dept. of Life Sciences, Panjab University, Chandigarh presented a thought provoking key note address, which set the tone of the entire seminar. Dr. Bhiswaroop Mukherjee, Prof. of Botany, Ranchi University, Ranchi and distinguished scholar was another expert transcend a resource Person on environmental issues. He presided over the 1st academic session. Sri Dinesh Kumar Mishra a celebrated columnist and a noted environmentalist was another distinguished resource person, who enlightened the audience with an inspiring presentation.

There was participation from all the local colleges and many teachers from the Vinoba Bhave University, Hazaribag.

The organising secretary of the seminar was **Dr. Ranjana Das, Co-ordinator, IQAC.**

National Seminar

National Seminar
On
"Ecological Imbalance :
A Challenge for the Human Race."
On Wednesday, 28th Sep. 2016

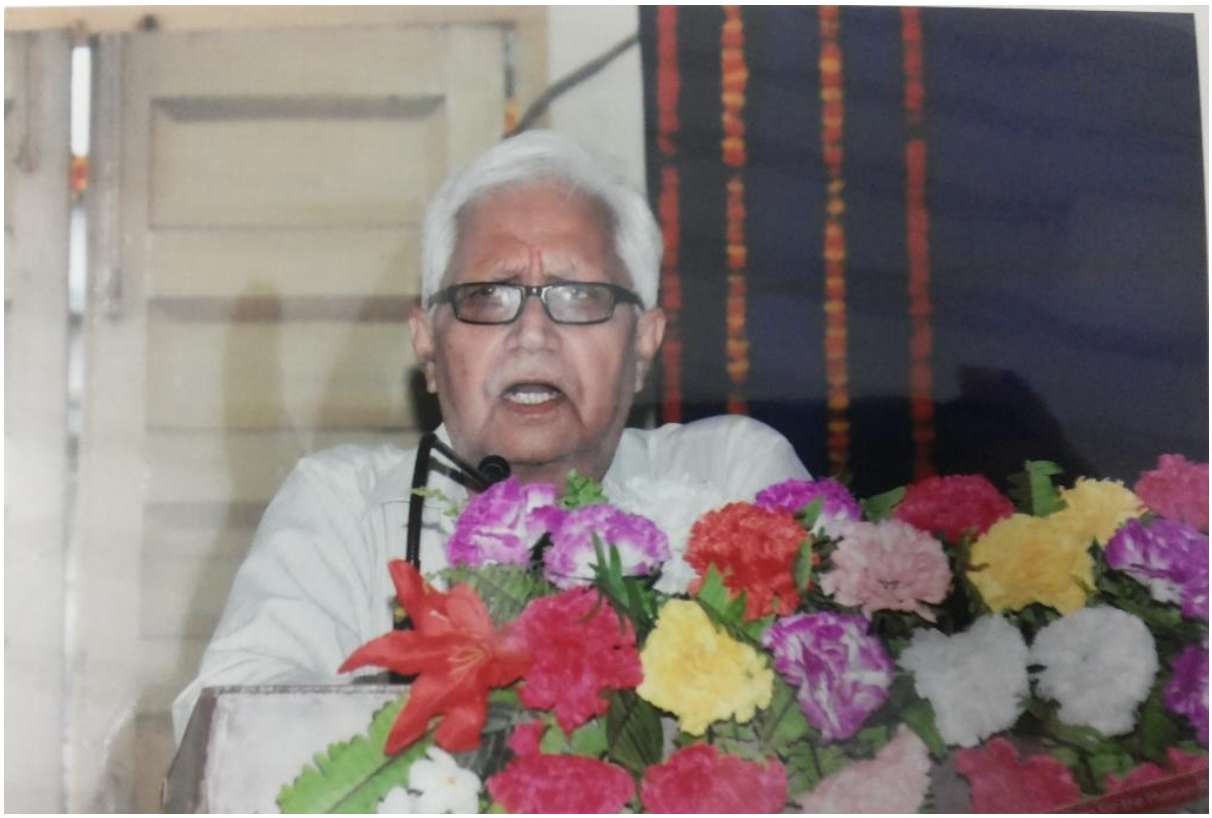

Press Release

जीएन कॉलेज. 'पर्यावरणीय असंतुलन : मानव जाति के लिए एक चुनौती' पर बोले डॉ अहलूवालिया

पर्यावरण चिंता के बिना विकास घातक

जीएन कॉलेज में 'पर्यावरणीय असंतुलन : मानव जाति के लिए एक चुनौती' विषयक संगोष्ठी पर बोलते हुए वक्ताओं ने आदमखोर विकास के संदर्भ में पर्यावरण की चिंता की अहमियत पर प्रकाश डाला. बताया कि पर्यावरण की चिंता से कट कर किया गया विकास अंततः मनुष्यविरोधी हो जाता है.

वरीय संवाददाता ▸ धनबाद

यूजीसी के सौजन्य से आयोजित संगोष्ठी के मुख्य वक्ता पंजाब यूनिवर्सिटी के वनस्पति विभाग के वरीय प्राध्यापक डॉ. एएस अहलूवालिया ने कहा कि मौजूदा दौर में विकास से अधिक जरूरी यह हो गया है कि विकास के कारण प्रभावित होने वाले पर्यावरणीय असंतुलन पर कैसे काबू पाया जाये. वह दिन दूर नहीं जब जल व वायु स्रोत के अभाव का मानव जीवन पर दुष्परिणाम सामने आयेगा.

पर्यावरणीय चिंता से रूबरू : डॉ अहलूवालिया ने बताया कि प्राकृतिक स्रोतों का जैसा दुरुपयोग हो रहा है, लगता है कि भावी पीढ़ी को देने के लिए कुछ भी नहीं बचेगा. उन्होंने प्राकृतिक संपदा व स्रोतों के साथ खिलवाड़ रोकने के उपाय भी बताये. इसके लिए सरकार के साथ-साथ आमजन की सहभागिता पर बल दिया.

इनकी थी सहभागिता : मौके पर गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी के अध्यक्ष आरएस चहल व सचिव दिलजोन सिंह ग्रेवाल ने भी अपने विचार रखे. प्राचार्य प्रो. पी शेखर ने स्वागत भाषण दिया. विभागाध्यक्ष (इतिहास) प्रो रंजना दास सेमिनार की को-ऑर्डिनेटर थीं. मंच संचालन प्रो. पुष्पा तिवारी ने किया. पीके राय कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एसके अग्रवाल, एसएसएलएनटी महिला कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एसकेएल दास, कतरास कॉलेज के प्राचार्य पीके झा, आरएस मोर कॉलेज की प्राचार्य डॉ. किरण सिंह सहित विभिन्न कॉलेजों के प्रतिनिधि.

संरक्षण के प्रति सजगता जरूरी : पीएन सिंह

संगोष्ठी में सांसद पीएन सिंह ने कहा कि विकास व परिवर्तन वक्त का तकाजा है. विकास मानवता के लिए खतरा न बने, इसके प्रति भी सजगता बेहद जरूरी है. मौके पर विधायक राज सिन्हा ने कहा कि पर्यावरणीय असंतुलन के दुष्प्रभाव लगातार सामने आ रहे हैं, बावजूद इसके हम इसके संरक्षण के प्रति सजग नहीं हो रहे हैं.

विवि शिक्षकों की दूसरी किस्त निर्गम का आदेश

धनबाद. केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने छठे वेतन आयोग की सिफारिशों के तहत झारखंड के विश्व विद्यालय शिक्षकों को देय राशि का दूसरा किस्त जारी कर दिया है. यह जानकारी पूर्व मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री प्रो. रीता वर्मा ने दी है. उन्होंने इसके लिए केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री प्रकाश जावड़ेकर से दिल्ली में मुलाकात करके झारखंड के विश्वविद्यालय के शिक्षकों के बकाये का भुगतान करने की मांग की थी. श्री जावड़ेकर ने व्यक्तिगत रुचि लेते हुए अपनी उपस्थिति में ही संबंधित अधिकारियों से मीटिंग करवायी और यथाशीघ्र राशि जारी करने का निर्देश दिया था. श्रीमती वर्मा ने अब राज्य सरकार से आग्रह किया है कि वह इस राशि का भुगतान दीवाली से पहले कर दे. उन्होंने कहा कि छठे वेतन आयोग की सिफारिशों के पूरी तरह क्रियान्वयन का मामला काफी दिनों से लंबित रह गया है. आलम यह है कि शिक्षकों को रांची में राजभवन के सामने धरना प्रदर्शन करना पड़ा. दरअसल छठे वेतन आयोग के तहत झारखंड के लिए मात्र 34 फीसदी राशि जारी कर दी गयी थी, बाकी राशि को दो किस्तों में भुगतान करना था, पर कागजी औपचारिकताएं पूरी नहीं हो पाने के कारण मामला लंबित रह गया. उन्होंने कहा कि यही वजह है कि उन्होंने मंत्री जी के आदेश के बावजूद दिल्ली में ही रहकर इस मामले में फॉलोअप किया और कागजी कमियों को दूर करने के लिए केंद्र सरकार व राज्य सरकार के बीच समन्वय का भी काम किया. उन्होंने कहा कि अंतिम किस्त के भुगतान के लिए भी उनका प्रयास जारी रहेगा.

Medical

718 शिक्षकों के ग्रेड वन में प्रोन्नति को हरी झंडी

प्रभात खबर Thu, 29 September 2016
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/47873454